>

Title: Situation arising due to indifferent attitude of the Railways towards Indore in Madhya Pradesh.

श्रीमती सुमित्रा महाजन (इन्दौर): सभापति जी, रेलवे मंत्रालय द्वारा हमारे क्षेत्र की जो उपेक्षा हो रही है, उसे मैं बहुत ही दुखी मन से बता रही हूं। मैं केवल उपेक्षा की बात नहीं कहती, थोड़े क्षुब्द मन से भी कह रही हूं कि अगर हम कोई मांग करते हैं तो यह जवाब मिलता है कि इस रेल लाइन पर क्षमता नहीं है और कुछ ही दिनों बाद वहां दूसरी गाड़ी इंट्रोडयूस होती है। मैंने मांग की थी कि इंदौर-बंगलौर के मध्य हैदराबाद होते हुए सीधी यात्री सेवा आवश्यक है, क्योंकि हमारे यहां गेज कन्वर्जन के कारण जो काचीगुड़ा ट्रेन चलती थी, वह बंद हो गई थी। मुझे उस समय बताया गया कि इस लाइन पर क्षमता का अभाव है। कुछ ही दिनों में वहां अजमेर से रतलाम, उज्जैन, भोपाल होते हुए हैदराबाद के लिए गाड़ी इंट्रोडयूस की गई। मैंने इसी प्रकार दूसरी मांग रखी थी, क्योंकि गेज कन्वर्जन के कारण हमारे इंदौर-अजमेर के बीच जो लिंक था, वहां से सात जोड़ी गाड़ियां चलती थीं। वह सातों जोड़ी गाड़ियां एक प्रकार से गेज कन्वर्जन के कारण बंद हो गई। जब मैंने वह मांग की तो मुझे बताया गया कि रतलाम में नागदा होकर अजमेर की ओर अगर हम गाड़ी भेजना चाहें तो वहां मेन लाइन का यातायात रोकना पड़ेगा। उसके लिए क्षमता का अभाव और कुछ टेक्नीकल कारण बताए गए। कुछ ही दिनों बाद तुंत अजमेर से रतलाम, नागदा होते हुए हैदराबाद और कोलकाता के लिए गाड़ियां चलाई जाती हैं। बार-बार यही होता है। हमें कहा गया कि वहां के लिए इंदौर-मुम्बई तुंतो एक्सप्रैस दी गई, लेकिन वह अभी तक शुरू नहीं की गई। उस समय कहा गया था कि यह द्रुतगति रहेगी, कम स्टेशनों पर रुकेगी। अब मालूम नहीं द्रुतगति रहेगी या नहीं, मगर अभी तक उसे शुरू करने का कोई नामो-निशान भी नहीं है।

आज इंदौर इंडस्ट्रियल सिटी है। मध्य प्रदेश का काफी महत्वपूर्ण शहर है। मगर उज्जैन से इंदौर 60 किलोमीटर का इलैक्ट्रिफिकेशन गत चार सालों से हो रहा है। केवल 500 मीटर के इलेक्ट्रिफिकेशन में कुछ न कुछ कारण बताते हुए एक साल लग रहा है। विकास के काम रेलवे नहीं कर रही है और न ही गाड़ियां मिल रही हैं। मैं अब हसूं या रोऊं, मुझे समझ में नहीं आता। मैंने रेल मंत्री जी को पत्र लिखकर मांग की थी कि इंदौर-बंगलौर गाड़ी चलाइए, इंदौर-पुणे गाड़ी को शोलापुर तक तक चलाइए या उसकी गति बढ़ाइए। मुझे उसका जो उत्तर आया, एक प्रकार से विनोद हो गया, मजाक की बात हो गई यह उत्तर आया कि आपके पत्र मिल गए और आपको प्रसन्नता होगी कि हमने जबलपुर-भोपाल एक्सप्रैस को इंदौर तक बढ़ा दिया। रेलवे मंत्रालय इस प्रकार का मजाक कर रहा है। इंदौर की उपेक्षा सतत् रूप से हो रही है। इस कारण इंदौर की जनता आज नहीं तो कल आंदोलन करेगी। वहां लोगों में बहुत उग्रता आ रही है। मेरा आपके द्वारा रेल मंत्रालय से निवेदन है कि कृपया करके इंदौर की मांगों पर तुंत गति से ध्यान दिया जाए।